एससीआर से खींचा जाएगा 2047 तक का विकास का खाका

निशांत यादव • जागरण

एनसीआर की तर्ज पर विकसित होगा राज्य राजधानी क्षेत्र, कैबिनेट मंजूरी से बढ़ीं गतिविधियां, चुनाव बाद कमेटी का गठन

लखनऊ : राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की तरह राज्य राजधानी क्षेत्र (एससीआर) के गठन से एक बड़े भूभाग पर सुनियोजित विकास की पटकथा लिखी जाएगी। लखनऊ के आसपास छह जिले एससीआर का हिस्सा बन रहे हैं, जहां विकास की गाड़ी सुनियोजित तरीके से दौड़ेगी। लखनऊ के आसपास औद्योगिक क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा। बड़ी-बड़ी हाईटेक टाउनशिप आएंगी, जिससे बड़ी संख्या में रोजगार मिलेगा।

एससीआर के लिए आचार संहिता के बाद कमेटी के गठन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। साथ ही एससीआर में मेट्रो रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम, उपनगरीय बसों जैसी परिवहन सुविधाओं के साथ बड़े स्तर के सुनियोजित विकास का आकलन करने के लिए जल्द ही रिक्वेस्ट फार प्रपोजल (आरएफपी) को अपलोड किया जाएगा। ग्लोबल टेंडर से विदेश की डेवलपमेंट प्लान बनाने वाली एजेंसियों को भी एससीआर की प्लानिंग के लिए आमंत्रित किया जाएगा। एससीआर में लखनऊ के साथ बाराबंकी, सीतापुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली जिलों को शामिल किया गया है। एनसीआर की तरह लखनऊ से इन जिलों को तेज यातायात नेटवर्क से भी जोड़ा जाएगा। इससे इन जिलों के लोगों का लखनऊ की ओर पलायन थमेगा। जिलों में भूमि की उपलब्धता के आधार पर प्रस्तावित विकास का ड्राफ्ट वहां के विकास प्राधिकरण बनाएंगे। ग्लोबल टेंडर से चयनित एजेंसी ड्राफ्ट के आधार पर इन जिलों का एकीकृत प्लान बनाएंगी। आरएफपी में वर्ष 2047 तक का विजन डाक्यूमेंट बनाया जाएगा। इसमें एयरपोर्ट, मेट्रो, रैपिड रेल ट्रांसपोर्ट सिस्टम के अलावा शहर के सुंदरीकरण सहित सभी सुविधाओं को शामिल किया जाएगा। एससीआर का मुख्यालय लखनऊ होगा। शासन ने एलडीए को ही एससीआर का गठन करने के लिए नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया है।

कमर्शियल जरूरतों का होगा आकलन : एनसीआर के इंडस्ट्रियल एरिया की तरह ही एससीआर के औद्योगिक क्षेत्र को विकसित करने का लक्ष्य अगले 24 साल की जरूरतों के अनुसार तय किया जाएगा। किस क्षेत्र में कितने होटल की जरूरत होगी, बड़े औद्योगिक संस्थानों के लिए कौन से जिले में जमीन बेहतर होगी, बड़ी-बड़ी आवासीय योजनाओं का विस्तार किस ओर किया जा सकता है और बड़े पार्क जैसे विकास कार्य और स्मार्ट परिवहन को लेकर प्लानिंग की जाएगी। एससीआर का उद्देश्य नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित करना भी है। जिलों में होटल और इंडस्ट्री के आने से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा।

ये जिले हैं शामिल

लखनऊ, रायबरेली, उन्नाव, हरदोई सीतापुर और बाराबंकी

एससीआर के गठन से औद्योगिक सहित कई क्षेत्रों में बड़े विकास होंगे। एससीआर के जिलों का एकीकृत विकास का प्लान बन सकेगा। शासन स्तर पर इसे लेकर तैयारियां चल रही हैं। चुनाव के बाद इसे आगे बढ़ाने के प्रयास तेज होंगे।

-डा. इंद्रमणि त्रिपाठी, उपाध्यक्ष, एलडीए

आंकड़ों में एससीआर

जिला	आबादी	क्षेत्रफल
लखनऊ	46 लाख	2528
सीतापुर	44.83 लाख	5741
हरदोई	40 लाख	5986
रायबरेली	34 लाख	4609
उन्नाव	18 लाख	3031

(सभी स्क्वायर किलोमीटर में)

एससीआर की सुविधाओं से आसपास के जिलों में बेरोजगारी दूर होगी। उद्योग जगत के लिए जमीन उपलब्ध होगी और लखनऊ जैसी सुविधाएं मिलेंगी। सरकार को राजस्व मिलेगा और उद्योग जगत को अपना व्यापार करने की पूरी आजादी।

-वंदिता अग्रवाल, सीनियर वाइस चेयरपर्सन, फिक्की फ्लो लखनऊ चैप्टर

एससीआर बनने से लखनऊ से बाराबंकी, रायबरेली, उन्नाव की कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी। लखनऊ में लैंड बैंक सीमित बचा है, ऐसे में बाराबंकी, उन्नाव, रायबरेली जिलों में कारखाने लगाने की सुविधा लखनऊ जैसी मिलेगी।

-अम्बरीश टंडन, चेयरमैन, एमरन ग्रुप आफ कंपनीज